बहुवचन

बहु सुमन, बहु रंग, निर्मित एक सुंदर हार

हिन्दी की अंतरराष्ट्रीय त्रैमासिक पत्रिका

सम्पादक

राजेन्द्र कुमार

सह सम्पादक

प्रकाश त्रिपाठी

मृत्युंजय

समन्वयक

राकेश श्रीमाल

ज्ञान शांति मैत्री

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिन्दी विश्वविद्यालय का प्रकाशन

बहुवचन

अन्तरराष्ट्रीय हिन्दी त्रैमासिक

अंक : 21, अप्रैल-जून, 2009

प्रकाशक : महात्मा गांधी अन्तरराष्ट्रीय हिन्दी विश्वविद्यालय

सम्पादकीय कार्यालय :
क्षेत्रीय कार्यालय, महात्मा गांधी अन्तरराष्ट्रीय हिन्दी विश्वविद्यालय
24/28, सरोजिनी नायडू मार्ग, इलाहाबाद-211001
फोनः 0532- 2424442, 2466529, मो. : 09415763049, 09918865005

बिक्री और प्रसार कार्यालय :
प्रकाशन विभाग,
महात्मा गांधी अन्तरराष्ट्रीय हिन्दी विश्वविद्यालय
पोस्ट बॉक्स सं0- 16, पंचटीला, वर्धा- 442001 (महाराष्ट्र)
फोनः 07152-230901, फैक्सः 091-7152-230903
ई-मेलः bahuvachan@gmail.com
तारः हिन्दीविश्व

© सम्बन्धित लेखकों द्वारा सुरक्षित

प्रकाशित रचनाओं की रीति-नीति या विचारों से म.गा.अ.हि.वि., वर्धा
या सम्पादकों की सहमति अनिवार्य नहीं है।

पंजीयन सं. अप्रैल-जूनः DELHIN/2000/1228
यह अंक : 50 रुपये, वार्षिक शुल्क 200 रुपये
विदेश में :
हवाई डाक : एक प्रति 15 अमेरिकी डॉलर/7 ब्रिटिश पाउंड
समुद्री डाक : एक प्रति 8 डॉलर/5 ब्रिटिश पाउंड

BAHUVACHAN
A QUARTERLY INTERNATIONAL JOURNAL IN HINDI
Published by Mahatma Gandhi International Hindi University
P.B. NO. 16, PANCHTEELA, WARDHA-442001 (MAHARASHTRA) INDIA

वार्षिक सदस्यता के लिए बैंक ड्राफ्ट **महात्मा गांधी अन्तरराष्ट्रीय हिन्दी विश्वविद्यालय, वर्धा** के नाम से इस पते पर भेजें —

महात्मा गांधी अन्तरराष्ट्रीय हिन्दी विश्वविद्यालय,
पोस्ट बॉक्स सं.- 16, पंचटीला, वर्धा- 442001 (महाराष्ट्र)

आवरण : अशोक सिद्धार्थ

अनुक्रम

सम्पादकीय

'गिरोह' नहीं, 'समाज' / 7

बावजूद

ज्ञान-समाज में कविता / 11
ए. अरविंदाक्षन

उत्तर-औपनिवेशिक समय में साहित्य / 23
परमानंद श्रीवास्तव

'आत्म' और 'अन्य' के बरक्स :
निर्मल वर्मा का आधुनिकता सम्बन्धी चिन्तन / 29
राहुल सिंह

स्मृति-अक्षर

नास्तिक वैष्णवता की प्रभा / 39
हरदयाल

विष्णु प्रभाकर : डायरी के कुछ पृष्ठ / 46

तेलुगु का तेजस् – 'ज्वालामुखी' / 49
निर्मलानंद वात्स्यायन

परम्परा-सर्जक आचार्य राममूर्ति त्रिपाठी / 52
वीरेन्द्र मोहन

आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी : सर्जक और चिंतक / 58
राममूर्ति त्रिपाठी

स्त्री-जीवन की आत्म-मुक्ति की प्रेरणा : चन्द्रकिरण सौनरेक्सा / 62
संतोष राय

उर्दू साहित्य पर भारतीय दर्शन और पुरा-कथाओं का प्रभाव / 63
क़मर रईस

सेमर के फूल / 67
मोती बी.ए.

कमला दास : आत्मा ही जानती है, कैसे गाया जाता है / 70

उन्मुख

**सर्जनात्मकता और भाव :
कला के स्वच्छन्दतावादी सिद्धान्त का पुनर्सूत्रीकरण** / 73
जोसेफ़ एल. फ़्लैंडर्स

**'यह काम सारे संसार में अद्वितीय होगा' :
माइकेल एंजिलो का पोप के लिए एक निर्भीक पत्र** / 78
ब्रजेश कृष्ण

यहाँ से देखो

आजीवक धर्म और दर्शन / 83
कँवल भारती

सरहपा : हिन्दी की क्रांतिकारी कविता का आदिकवि / 104
सदानंद शाही

सृजन-भूमि

कविताएँ

वाज़दा ख़ान की कविताएँ / 111

शैलेय की कविताएँ / 115

कहानी

फ्रांसीसी रेड वाइन / 122

प्रभात रंजन

चित्र-वीथी

अजय जैतली के चित्र

जो अलक्षित रह गया है

बेचन शर्मा 'उग्र' / 137

अप्रकाशित राजकमल चौधरी / 146

सहचर्या

किशोरी दास वाजपेयी :
हिन्दी की साम्राज्यवाद विरोधी व्याकरण-दृष्टि / 153

अरुण कुमार

भिखारी ठाकुर : 'कइसे के कही हम, नइखे धरात दम' / 161

शैलेन्द्र कुमार त्रिपाठी

अनवरत

दलितों में स्तरीकरण : दलित भी ढूँढ रहा है आखिरी दलित / 169
उमा शंकर चौधरी

मुक्ति संग्राम और प्रतिबन्धित सच का आर्थिक रोज़नामचा / 203
संतोष भदौरिया

सुर-संगत

'सरोद-श्री' : शरणरानी बाकलीवाल / 211
कुबेर दत्त

आधी सदी का हिन्दुस्तानी संगीत (१९४७ से आजतक) / 221
राम मेश्राम